

नशा मुक्त भारत फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान

कार्यक्रम सम्पन्नता प्रतिवेदन

राज्यपाल सचिवालय, उत्तराखण्ड तथा भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित "नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत" अभियान के अंतर्गत प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 02 अगस्त, 2026 (रविवार) को उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी में विश्वविद्यालय की एंटी ड्रग सेल द्वारा नशामुक्ति जागरूकता एवं शपथ ग्रहण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना तथा "नशामुक्त भारत-विकसित भारत" के राष्ट्रीय संकल्प में उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'मन की बात' कार्यक्रम के ऑनलाइन प्रसारण को सामूहिक रूप से सुनने एवं देखने के साथ हुआ। उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी संदेश को ध्यानपूर्वक सुना, जिसमें राष्ट्र निर्माण, युवा शक्ति की भूमिका, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा नशामुक्त भारत के निर्माण हेतु जनभागीदारी का आह्वान किया गया। प्रधानमंत्री के संबोधन से प्रेरणा प्राप्त करने के उपरान्त विश्वविद्यालय की एंटी ड्रग सेल द्वारा नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहानी ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं तथा उनका स्वस्थ, जागरूक एवं अनुशासित होना विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने, अपने जीवन में सकारात्मक मूल्यों को अपनाने तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति जन-जागरूकता फैलाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में 50 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशामुक्त रहने, नशे का विरोध करने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ ग्रहण की। प्रतिभागियों ने नशामुक्त उत्तराखण्ड एवं विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय सहयोग प्रदान करने का संकल्प भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर एंटी ड्रग सेल के प्रभारी डॉ. भानु प्रकाश जोशी ने अभियान के उद्देश्य एवं नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

डॉ. सीता एवं एंटी ड्रग सेल के अन्य सदस्यों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ एवं अनुशासित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक युवा का यह दायित्व है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे तथा अपने परिवार एवं समाज में भी नशामुक्ति के प्रति जागरूकता का प्रसार करे।

कार्यक्रम में डॉ. जगमोहन, डॉ. दिनेश कांडपाल सहित एंटी ड्रग सेल के सदस्य उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त योग विभाग के अध्यापकों एवं प्रशिक्षकों ने भी कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता करते हुए आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा "नशामुक्त युवा-विकसित भारत" के संकल्प को दोहराते हुए सामूहिक शपथ के साथ सम्पन्न हुआ।

संलग्नक:

1. कार्यक्रम के छायाचित्र।

